काशी जाओ मथुरा जाओ या जाओ हरिद्वार भजन लिरिक्स

काशी जाओ मथुरा जाओ,
या जाओ हरिद्वार,
मात पिता को ठुकराया तो,
सब कुछ है बेकार,
करो तुम उनकी सेवा,
खुशी हो सारे देवा।**bd।**

तर्ज – किसी का प्यार ना टूटे।

अन्धे मात पिता को,
श्रवण ने तीरथ कराये,
मात पिता की आज्ञा लेकर,
लौट अवध को आये,
जल भरने को पहुचा था,
दिया दशरथ ने मार,
करो तुम उनकी सेवा,
खुशी हो सारे देवा।**bd।**

मात पिता की आज्ञा,
ले राम लखन बन धायें,
चौदह वरस बिताकर,
फिर अयोध्या आये,
बन बन में फिरे भटकते,
लक्ष्मण सीताराम,
करो तुम उनकी सेवा,
खुशी हो सारे देवा।**bd।**

मात पिता की सेवा,
अब कोई कोई कर पाये,
जो सेवा करे इनकी,
वो जग से मुक्ति पाये,
इनकी सेवा से होता है,
जग से बेड़ा पार,
करो तुम उनकी सेवा,
खुशी हो सारे देवा।**bd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

काशी जाओ मथुरा जाओ,
या जाओ हरिद्वार,
मात पिता को ठुकराया तो,
सब कुछ है बेकार,
करो तुम उनकी सेवा,
खुशी हो सारे देवा।bd।

स्वर – चॉदनी शास्त्री।
प्रेषक – बृजभूषण मिश्र।
9026455596

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com